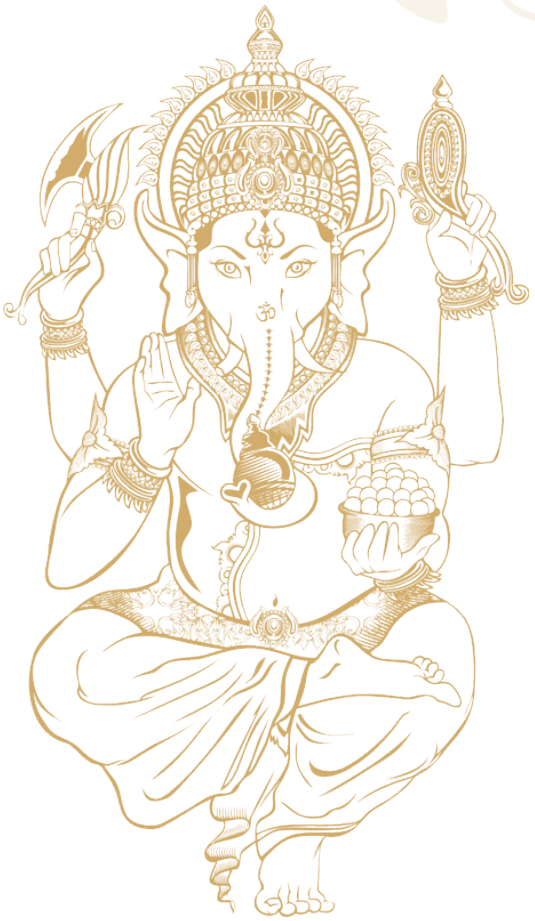

Shiv Mohan Lal

07 Nov 1974

03:02 PM

Jabalpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121295312

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**07/11/1974**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**15:02:00 घंटे**
इष्ट	21:48:06 घटी
स्थान	**Jabalpur**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	23:10:00 उत्तर
रेखांश	79:57:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:10:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:51:48 घंटे
वेलान्तर	00:16:21 घंटे
साम्पातिक काल	17:56:37 घंटे
सूर्योदय	06:18:45 घंटे
सूर्यास्त	17:28:55 घंटे
दिनमान	11:10:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	21:04:54 तुला
लग्न के अंश	05:21:41 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**आश्लेषा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	शुक्ल
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मार्जार
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डे-डेविड
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	05:21:41	483:03:58	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	---
सूर्य			तुला	21:04:54	01:00:13	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	नीच राशि
चंद्र			कर्क	24:47:14	14:11:32	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	स्वराशि
मंगल		अ	तुला	13:19:23	00:40:47	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	बुध	सम राशि
बुध			तुला	02:39:19	00:38:34	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	मित्र राशि
गुरु			कुंभ	14:30:10	00:00:48	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	सम राशि
शुक्र		अ	तुला	21:17:43	01:15:18	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	स्वराशि
शनि	व		मिथु	25:21:20	00:00:46	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	मित्र राशि
राहु	व		वृश्चि	17:01:10	00:00:25	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	17:01:10	00:00:25	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	सम राशि
हर्ष			तुला	05:39:28	00:03:41	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
नेप			वृश्चि	14:55:32	00:02:06	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
प्लूटो			कन्या	14:34:53	00:01:57	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	---
दशम भाव			धनु	05:42:58	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:30:36

लग्न-चलित

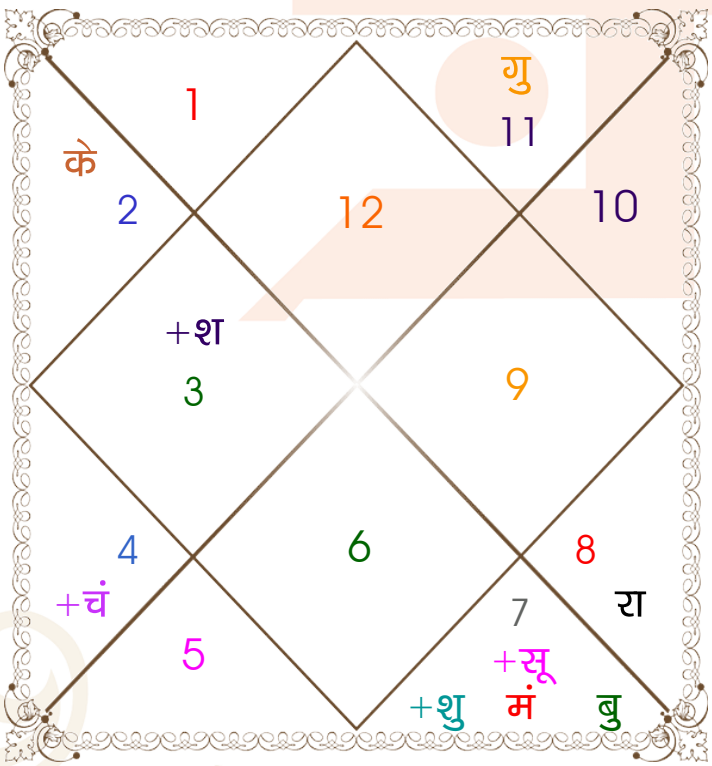

चन्द्र कुंडली

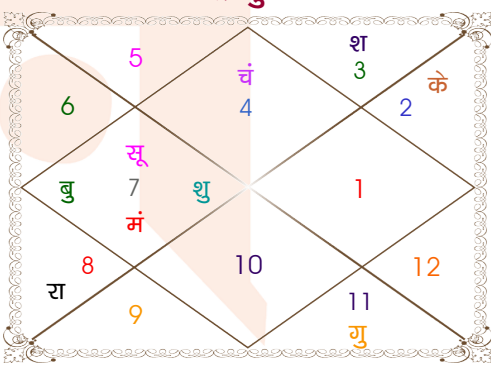

नवमांश कुंडली

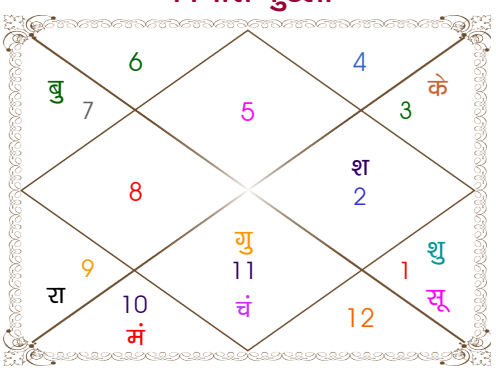

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 6 वर्ष 7 मास 22 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
07/11/1974		01/07/1981		30/06/1988		30/06/2008		01/07/2014	
01/07/1981		30/06/1988		30/06/2008		01/07/2014		30/06/2024	
	00/00/0000	केतु	27/11/1981	शुक्र	31/10/1991	सूर्य	18/10/2008	चंद्र	01/05/2015
	00/00/0000	शुक्र	27/01/1983	सूर्य	30/10/1992	चंद्र	19/04/2009	मंगल	30/11/2015
	00/00/0000	सूर्य	04/06/1983	चंद्र	01/07/1994	मंगल	24/08/2009	राहु	31/05/2017
	00/00/0000	चंद्र	03/01/1984	मंगल	31/08/1995	राहु	19/07/2010	गुरु	30/09/2018
	00/00/0000	मंगल	31/05/1984	राहु	31/08/1998	गुरु	07/05/2011	शनि	01/05/2020
	07/11/1974	राहु	19/06/1985	गुरु	01/05/2001	शनि	18/04/2012	बुध	30/09/2021
राहु	16/07/1976	गुरु	25/05/1986	शनि	30/06/2004	बुध	23/02/2013	केतु	01/05/2022
गुरु	22/10/1978	शनि	04/07/1987	बुध	01/05/2007	केतु	01/07/2013	शुक्र	31/12/2023
शनि	01/07/1981	बुध	30/06/1988	केतु	30/06/2008	शुक्र	01/07/2014	सूर्य	30/06/2024

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
30/06/2024		01/07/2031		01/07/2049		01/07/2065		30/06/2084	
01/07/2031		01/07/2049		01/07/2065		30/06/2084		00/00/0000	
मंगल	27/11/2024	राहु	13/03/2034	गुरु	19/08/2051	शनि	03/07/2068	बुध	27/11/2086
राहु	15/12/2025	गुरु	06/08/2036	शनि	01/03/2054	बुध	14/03/2071	केतु	24/11/2087
गुरु	21/11/2026	शनि	13/06/2039	बुध	06/06/2056	केतु	21/04/2072	शुक्र	24/09/2090
शनि	31/12/2027	बुध	30/12/2041	केतु	13/05/2057	शुक्र	22/06/2075	सूर्य	01/08/2091
बुध	27/12/2028	केतु	18/01/2043	शुक्र	12/01/2060	सूर्य	03/06/2076	चंद्र	30/12/2092
केतु	25/05/2029	शुक्र	18/01/2046	सूर्य	30/10/2060	चंद्र	02/01/2078	मंगल	27/12/2093
शुक्र	25/07/2030	सूर्य	12/12/2046	चंद्र	01/03/2062	मंगल	11/02/2079	राहु	07/11/2094
सूर्य	30/11/2030	चंद्र	12/06/2048	मंगल	05/02/2063	राहु	18/12/2081		00/00/0000
चंद्र	01/07/2031	मंगल	01/07/2049	राहु	01/07/2065	गुरु	30/06/2084		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 6 वर्ष 7 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के प्रथम चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर मीन लग्न के साथ-साथ सिंह राशि का नवमांश एवं मीन राशीय द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नादिक समन्वित प्रभाव एवं ज्योतिषीय आकृति के अनुसार ऐसा अनुकूल संयोजन बन रहा है कि आप स्वाभाविक रूप में ऐसी आशा कर सकते हैं कि आपका जीवन धन और प्रसन्नता से युक्त आभिमंत्रित और धन्य है। इसका प्रभाव आपके जीवन, संतान और उसकी संतान तक अक्षुण रहेगा।

आप आकर्षक शारीरिक गठन से युक्त होंगे तथा प्रसन्नतम रूप के सहारें आप अधिकाधिक व्यक्तियों को आकर्षित करेंगे। आप सदैव चाहते हैं कि अच्छी प्रकार विपरीत योनि के सदस्यों पर अपनी प्रभाव जमा लें, अर्थात् नारियों को प्रभावित कर लें। आप जीवन में प्रेम को एक महत्वपूर्ण वस्तु समझते हैं। आप सदैव अपना झुकाव आनन्द प्राप्ति करने में तथा रोमांचित कार्य में लगाना चाहते हैं। आप पत्नी के चयन हेतु अपने लिए सुंदर अनुकूल एवं जीवन को आनंदित करने वाली कर्क अथवा कन्या राशि का जातक होगा।

यदि आप वासनात्मक घटनाक्रम को अति उत्कंठित होकर देखेंगे तब आप और भी अच्छा कर सकते हैं। आपके पास अच्छा ज्ञान है, इसलिए आप इसे साहस, सामर्थ्य के अनुसार किसी भी प्रकार की चुनौती को देख कर अपने हस्तगत कार्य को संपन्न करने का निर्णय कर सकते हैं।

आपकी अतिरिक्त आय भी आपके कार्यकलाप के अनुरूप होगी। आप हर दशा में भविष्य में परंपरा के अनुरूप पैतृक संपत्ति भी प्राप्त कर सकते हैं। इसलिए आप हर दृष्टिकोण से पारिवारिक व्यवसाय की तरह व्यवसाय से लाभ प्राप्त करेंगे। आपका इस व्यवसाय के साथ संबंध रहना अच्छा है। अन्यथा आप व्यवसायों में यथा सामुद्रिक व्यवसाय, आयात-निर्यात कार्य, छाता अथवा बरसाती कोर्ट अथवा अभियांत्रिकी कार्य में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

सामाजिक जीवन के प्रति आपका अनुराग रहेगा। आप अधिक से अधिक एक क्लब के सदस्य होंगे एवं अनेक मित्रों को आकर्षित करेंगे। परंतु आपको अपने मित्रों का चयन करने (बनाने) के प्रति सतर्क रहना चाहिए क्योंकि इन मित्रों में से कुछ मित्र आपके उत्तम प्रबंध का दुरुपयोग करेंगे तथा ऐसी संभावना है कि वे आपके साथ कोई धोखा धड़ी का प्रयास करेंगे।

इसके अतिरिक्त आपके मित्रगण आपमें अनुरागी एवं प्रशंसक होकर आपके उदार प्रवृति से आवश्यकता के अनुरूप सहायक होंगे। मुख्यतः आपके अधीनस्थ रहने वाले लोग भी सहायक होंगे।

बल्कि आप मीन राशि के द्विस्वभात्मक प्राणी हैं। इसलिए आपके (स्वाभावादि) का अध्ययन करना लोगों के लिए दुष्कर है। सामान्यतः आप शांति एवं प्रसन्नचित्त प्राणी हैं तथा अकस्मात् आप सुरक्षित हो जाते हैं। ऐसा बदलाव क्यों ? यह प्रवृति अन्यों को आश्चर्य में डाल देते हैं। आप एक चिंतनशील भावना के प्राणी हो सकते हैं। आप अन्यों की समस्या के संबंध में

सोचते रहते है जो कि विषय विचार-विमर्श के अंतर्गत होता है। परंतु यह प्रवृति अन्यों के ऊपर गलत प्रभाव डालता है। वे ऐसा अनुभव करते है कि आप उन लोगों की अनदेखी करते हैं। अच्छा तो यह है कि आप नीची दृष्टि कर के धरती पर आ कर करें तथा आप सतत अपने मित्र एवं विश्वास पात्रों से उत्तम धारणा का आनंद प्राप्त करें।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, परंतु ऐसा संकेत प्राप्त होता है कि आप कतिपय रोगों से आक्रांत हो सकते हैं। यथा कफ, जुकाम, सर्दी, अपाचनिक अथवा हार्नियां रोगादि। अतः आप अपने पारिवारिक चिकित्सक से समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें।

आपके लिए अंकों में अनुकूल एवं आवश्यक अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक लाभदायक एवं भाग्यशाली है। परंतु मात्र 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम एवं लाभजनक दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम प्राप्ति के दिन हैं। इसके अतिरिक्त अन्य तीन दिन बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल एवं अव्यवहरणीय है।

आप हर दशा में (ब्लू नीले रंग का परित्याग करें, क्योंकि यह रंग आपके लिए अव्यवहरणीय है। शेष लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीला रंग आपके लिए उत्तम, प्रसन्नतादायक एवं आनंद प्रदान करने वाला है।